पेप्सिको के शून्य अपशिष्ट प्रबंधन को यूनिसेफ की मान्यता

पैमल। तमिलनाडु स्थित पेप्सीको-एक्सनोरा के अग्रणी शून्य अपशिष्ट प्रबंधन (जेड डब्ल्यू एम) परियोजना को यूनिसेफ द्वारा एक आदर्श परियोजना और शहरी ठोस (सॉलिड) अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय ज्ञान के केन्द्र के रूप में चुना गया है। पेप्सी एक्सनोरा परियोजना की शुरुआत २००५ में ठोस (सॉलिड) अपशिष्ट को कम करने तथा उसके फिर से उपयोग में लाने की पेप्सीको की पहल के एक हिस्से के रूप में की गई थी जो कि 'उद्देश्य युक्त निष्पादन' के चार स्तरों में से एक है। यूनिसेफ द्वारा मान्यता प्रदान किये जाने के उपरांत पेप्सी को इंडिया और एक्सनोरा को नवीन आविष्कार और इस विशिष्ट अपशिष्ट पुर्नउपयोग (रिसाईक्लिंग) कार्यक्रम में साझेदारी के लिए गोल्डन पिकॉक पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम के नियोजन प्रक्रिया, कार्यान्वयन और प्रभाव को समझने के उद्देश्य से ६ देशों के २१ प्रतिनिधियों के दल द्वारा (डेनमार्क, मिस्र जाम्बिया, फिलीपींस, इन्डोनेशिया, नेपाल, पूर्वी जेरुशलम, जिबाउटी, इथोपिया) आज पैमल परियोजना का दौरा किया गया।